अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 352 | श्री विजय पुरम, मंगलवार , 30 दिसम्बर 2025 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा प्रथम ध्वजारोहण की 82वीं वर्षगांठ का स्मरणोत्सव आज

श्री विजय पुरम, 29 दिसम्बर।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा श्री विजय पुरम में किए गए प्रथम ध्वजारोहण की 82वीं वर्षगांठ के अवसर पर, माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी एडमिरल डी.के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.), 30 दिसंबर, 2025 को सुबह 7 बजे फ्लैग प्वाइंट, श्री विजय पुरम में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे।

प्रदर्शनी मैदान में हास्य कवि सम्मेलन आज

श्री विजय पुरम, 28 दिसंबर

द्वीप पर्यटन महोत्सव–2025 के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में कल 30 दिसम्बर, 2025 को संध्या 6 बजे अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के राजभाषा विभाग की ओर से यहां के वीआईपी रोड स्थित प्रदर्शनी मैदान में 'हास्य कवि सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार चिरप्रतीक्षित हास्य कवि सम्मेलन में द्वीपवासियों को गुदगुदाने के लिए मुख्यभूमि से आमंत्रित हास्य कविगण श्री शम्भू "शिखर", श्रीमती शैलजा सिंह, श्री विभोर चौधरी, श्री सुंदर कटारिया और श्री चेतन "चर्चित" अपनी हास्य एवं व्यंग्य रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यक्रम में सभी लोगों को सादर आमंत्रित किया गया है।

एमवी स्वराज द्वीप की 31 तारीख की बैरन द्वीप की यात्रा के लिए सीमित सीटें बचीं

जहाज़ पर लाइव संगीत एवं मनोरंजन सहित एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी का दुर्लभ निकट दृश्य देखने का अवसर

श्री विजय पुरम, 29 दिसंबर

जहाज़रानी सेवा निदेशालय ने सूचित किया है कि 31 दिसंबर, 2025 को प्रस्तावित एमवी स्वराज द्वीप की बैरन द्वीप के लिए विशेष नववर्ष समुद्री यात्रा के लिए अब बहुत ही सीमित सीटें शेष रह गई हैं। यह विशिष्ट रात्रिकालीन यात्रा अण्डमान सागर के शांत और भव्य वातावरण में नववर्ष 2026 का स्वागत करने का वर्ष में एक बार मिलने वाला अवसर प्रदान करती है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप के एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी बैरन द्वीप का दुर्लभ निकट दृश्य भी देखने को मिलेगा। कुल 1,200 यात्रियों की क्षमता वाले इस जहाज़ को ज़बरदस्त प्रतिसाद मिला है और अब केवल सीमित संख्या में सीटें उपलब्ध हैं। इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध है कि निराशा से बचने के लिए शीघ्रातिशीघ्र अपने टिकट बुक करें।

यह विशिष्ट नववर्ष यात्रा उत्सव और अण्डमान सागर के मनोहारी परिदृश्य का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती है। यात्रा के दौरान यात्रियों के लिए जहाज़ पर लाइव संगीत एवं मनोरंजन की व्यवस्था होगी, जिसमें डीजे, स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां तथा चयनित संगीत प्लेलिस्ट शामिल होंगी–जो तारों भरी रात के नीचे 2026 के स्वागत को जीवंत, उत्सवपूर्ण और यादगार बनाएंगी। इस अविस्मरणीय यात्रा का हिस्सा बनने का अवसर न चूकें।

टिकटों की बुकिंग डीएसएस ई–टिकटिंग पोर्टल https://dss.andamannicobar.gov.in/eticketing के माध्यम से की जा सकती है, जो सभी दिनों में 24X7 उपलब्ध है। यात्रियों की सुविधा के लिए पोर्टल से सीधे जुड़ा एक क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है।

Scan QR Code to open on mobile.

संस्कृतियों, खान–पान और सामाजिक मेलजोल का संगम 'द्वीप पर्यटन महोत्सव' का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचे बड़ी संख्या में लोग

दक्षिण अण्डमान तथा बाहरी द्वीपों के निर्धारित स्थलों पर भी कार्यक्रमों ने लोगों को आकर्षित किया

प्रदर्शनी मैदान में आयोजित द्वीप पर्यटन महोत्सव की झलकियाँ

द्वीप पर्यटन महोत्सव–2025 के अंतर्गत मरीना एस्प्लानेड में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम

द्वीप पर्यटन महोत्सव –2025 के अंतर्गत मायाबंदर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम

द्वीप पर्यटन महोत्सव–2025 के अंतर्गत डिगलीपुर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 29 दिसंबर

यहां प्रदर्शनी मैदान में धूमधाम से मनाए जा रहे द्वीप पर्यटन महोत्सव–2025 में आज शाम भारी भीड़ उमड़ी, क्योंकि पांच दिवसीय यह महोत्सव आज अपने तीसरे दिन में प्रवेश कर गया। मुख्यभूमि और द्वीपों से आए कलाकारों ने नृत्य, गीत, बैंड एवं वाद्य प्रस्तुतियों की विविध श्रृंखला से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दिसंबर माह के उत्सवी माहौल के कारण लोग बड़ी संख्या में उत्सव का आनंद लेने के लिए आयोजन स्थल पर पहुंचे। रंग–बिरंगी रोशनी से सजा परिसर, ऊर्जावान संगीत और नृत्य प्रस्तुतियों के साथ, प्रदर्शनी मैदान आने वाले सभी लोगों के लिए यह शाम यादगार बन गई। बच्चों को भी उत्सवी माहौल का भरपूर आनंद लेते हुए देखा गया, जो परिसर में लगाए गए फन गेम्स कॉर्नर में खेलते नज़र आए। लज़ीज़ भारतीय व्यंजनों से लेकर स्वादिष्ट स्नैक्स बेचने वाले स्टॉल्स पर भी लोगों की खासी भीड़ रही। इसके अलावा विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स पर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, वहीं सुंदर हस्तशिल्प और अन्य वस्तुओं के प्रदर्शन वाले स्टॉल्स भी आकर्षण का केंद्र बने। इन विभागों में सूचना, प्रचार एवं पर्यटन, कृषि, उपायुक्त कार्यालय (कार निकोबार), एएजेवीएस, श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद, मत्स्य, उद्योग, अण्डमान तथा निकोबार कमान, उपायुक्त कार्यालय (उत्तर व मध्य अण्डमान), ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्थान तथा शहरी स्थानीय निकाय शामिल रहे। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा कला एवं संस्कृति विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सहयोग से आयोजित यह महोत्सव 31 दिसंबर, 2025 तक जारी रहेगा।

महोत्सव के दौरान उल्लास और आनंद का वातावरण स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जहां परिवार और मित्र एक साथ समय बिताते हुए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद ले रहे थे। आयोजन स्थल पर स्थापित सेल्फी प्वाइंट पर लोगों को अपने प्रियजनों के साथ फोटो और सेल्फी लेते हुए देखा गया। यह महोत्सव न केवल द्वीपों के कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करता है, बल्कि उन्हें मुख्यभूमि से आए कलाकारों के साथ संवाद, मेल–मिलाप और सांस्कृतिक विविधता के आदान–प्रदान का अवसर भी देता है। दिन के समय कृषि विभाग द्वारा फूल, फल एवं सब्ज़ प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

हमारे संवाददाता की रिपोर्ट के अनुसार द्वीप पर्यटन महोत्सव वास्तव में "एकता में विविधता" की भावना का सजीव प्रतीक है, जहां देश के विभिन्न हिस्सों की संस्कृतियों, खान–पान और सामाजिक मेलजोल का संगम देखने को मिलता है। समग्र रूप से यह महोत्सव अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की निर्मल प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित कर इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल के रूप

शेष पृष्ठ 4 पर

प्रदर्शनी मैदान में आयोजित भव्य पेट शो में चार श्रेणियों में कुल 55 मनमोहक पालतू जानवरों ने मंच संभाला

शो में एंटी–रेबीज़ टीकाकरण, पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े संदेश भी दिए गए

श्री विजय पुरम, 29 दिसंबर

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने प्रदर्शनी मैदान में कल भव्य पेट शो का आयोजन कर चल रहे द्वीप पर्यटन महोत्सव–2025 में अपार खुशी और सार्थक जागरूकता का संचार किया। इस आयोजन में सैकड़ों स्थानीय निवासियों, परिवारों, बच्चों, पर्यटकों तथा पशु प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने मनुष्य और उनके प्यारे पालतू साथियों के अटूट संबंध का उत्सव मनाया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती पल्लवी सरकार (आईएएस), सचिव, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अण्डमान तथा निकोबार पुलिस तथा वन विभाग के अत्यधिक प्रशिक्षित कुत्तों द्वारा प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ हुई, जिसमें उनकी अनुशासनप्रियता, आज्ञाकारिता तथा खोज और सुरक्षा कार्यों में उनकी उत्कृष्ट दक्षता प्रदर्शित की गई। इन चार पैरों वाले नायकों के शानदार प्रदर्शन पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उत्साह व्यक्त किया, जिससे द्वीपसमूह में सार्वजनिक सुरक्षा एवं संरक्षण प्रयासों में प्रशिक्षित कुत्तों की महत्वपूर्ण भूमिका उजागर हुई।

इसके पश्चात चार श्रेणियों में कुल 55 मनमोहक पालतू जानवरों ने मंच संभाला, जिन्होंने विविधता और आकर्षण का अद्भुत प्रदर्शन किया। बड़े नस्ल वर्ग में 26 प्रतिभागी शामिल थे, जिनमें लैब्राडोर, जर्मन शेफर्ड, चिप्पिपारई, गोल्डन रिट्रीवर, साइबेरियन हस्की, अमेरिकन बुली और डोगो अर्जेंटीनो जैसी नस्लें शामिल थीं। छोटे नस्ल वर्ग में 17 प्यारे प्रतिभागियोंक–जैसे इंडियन स्पिट्ज, पोमेरेनियन, शिह त्जु और ल्हासा एप्सो–ने सभी का दिल जीत लिया। शो में विशेष आकर्षण छह स्नेहिल स्थानीय देशी (मोंग्रेल) कुत्ते और छह सुरुचिपूर्ण बिल्लियां रहीं, जिनकी स्वाभाविक गरिमा और स्नेहपूर्ण स्वभाव ने यह संदेश दिया कि सच्ची संगति के लिए वंशावली की आवश्यकता नहीं होती। पालतू जानवरों का मूल्यांकन प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. अमल कांति राय, सेवानिवृत्त वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी; डॉ. के. गीता ग्लैडसन, फ्रेंडिकोज़–सेका एनजीओ की पशु चिकित्सा अधिकारी तथा डॉ. के. पी. उम्मर, सेवानिवृत्त वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी शामिल थे। स्वास्थ्य, स्वभाव, सौंदर्य–सज्जा और समग्र व्यक्तित्व के आधार पर सूक्ष्म मूल्यांकन के उपरांत पुरस्कारों का वितरण श्रीमती पल्लवी सरकार (आईएएस), सचिव, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा; श्रीमती निहारिका भट्ट (आईपीएस), पुलिस अधीक्षक, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस, डॉ. जय सुंदर, निदेशक, आईसीएआर–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान तथा डॉ. ए. के. बर्धन, सेवानिवृत्त वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया गया। बड़े नस्ल वर्ग में हर राम (प्रथम), ए. रामू (द्वितीय) और डॉ. दिनेश (तृतीय) विजेता रहे। छोटे नस्ल वर्ग में सुरजीत दत्ता (प्रथम), डॉ. अनुराधा नोरकर (द्वितीय) और आशुतोष वर्मा (तृतीय) को पुरस्कार मिले। देशी नस्ल वर्ग में एम. प्रजीथ कुमार (प्रथम), संजीता बाई (द्वितीय) और कार्तिकेय (तृतीय) विजयी रहे, जबकि बिल्ली वर्ग में जोहरा (प्रथम), निहारिका (द्वितीय) और तनुजा (तृतीय) ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

ग्लैमर और उत्साह से परे, इस पेट शो ने विभाग के निरंतर चल रहे अभियानों के अनुरूप एक सशक्त सामाजिक संदेश भी दिया। इसमें नियमित एंटी–रेबीज़ टीकाकरण, पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम के अंतर्गत अनिवार्य नसबंदी तथा सभी पशुओं के साथ मानवीय व्यवहार की ज़ोरदार वकालत की गई। विशेष रूप से महंगी विदेशी नस्लों को खरीदने के बजाय मजबूत, बुद्धिमान और जलवायु–अनुकूल भारतीय एवं देशी नस्लों को अपनाने पर बल दिया गया, ताकि बाद में अवांछित संतानों को छोड़ने जैसी समस्याओं से बचा जा सके। अक्सर उपेक्षित रहने वाले ये देशी कुत्ते उत्कृष्ट साथी सिद्ध होते हैं और उतने ही प्रेमपूर्ण घरों के हकदार हैं, जितने किसी भी शुद्ध नस्ल के पालतू।

प्राप्त विज्ञप्ति में पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने एक बार फिर सभी निवासियों एवं आगंतुकों से अपील की है कि वे सड़कों या आश्रयों से बेघर पशुओं को गोद लें, अपने पालतू जानवरों की अनिवार्य रूप से नसबंदी एवं टीकाकरण कराएं तथा इन स्वच्छ द्वीपों में प्रत्येक जीव के लिए करुणामय, रेबीज़–मुक्त और सामंजस्यपूर्ण वातावरण के निर्माण में सहयोग करें।

इन्स्पायर अवाड्र्स–मानक योजना : ज़िला/राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं परियोजना प्रतियोगिता सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 29 दिसंबर

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के शिक्षा निदेशालय के विज्ञान प्रकोष्ठ द्वारा आज इन्स्पायर अवाड्र्स–मानक योजना के अंतर्गत ज़िला/राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं परियोजना प्रतियोगिता (2024–25) का आयोजन राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, श्री विजय पुरम के सभागार में किया गया। प्रतियोगिता में कुल 17 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें राजकीय प्रवर माध्यमिक विद्यालय, मलाका तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, विजय नगर से ऑनलाइन प्रतिभागी भी शामिल थे।

श्री ज्ञान शील दुबे, कार्यालयाध्यक्ष, शिक्षा निदेशालय ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि इन्स्पायर–मानक अवार्ड एक सशक्त राष्ट्रीय मंच है, जिसके माध्यम से छात्र अपनी स्थानीय आवश्यकता–आधारित नवाचारी अवधारणाओं को राष्ट्रीय स्तर तक ले जा सकते हैं। स्वागत भाषण श्री राम प्रवेश, उप निदेशक शिक्षा (विज्ञान) द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने इन्स्पायर–मानक योजना के उद्देश्यों, पंजीकरण प्रक्रिया एवं मूल्यांकन पद्धति पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा वैज्ञानिक .ष्टिकोण एवं सामाजिक प्रासंगिकता के साथ नवाचार को अपनाने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

परियोजनाओं का मूल्यांकन राष्ट्रीय नवाचार प्रतिष्ठान (एनआईएफ), नई दिल्ली की ऑनलाइन मूल्यांकनकर्ता श्रीमती संध्या तिवारी द्वारा किया गया। उनके साथ श्री मनु वशिष्ठ, वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक, 'डीब्राइट', श्रीमती प्रज्ञा, अतिथि संकाय, टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय तथा श्री राज बाबू, तकनीशियन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भी मूल्यांकनकर्ता के रूप में उपस्थित रहे। मूल्यांकनकर्ताओं ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को अपने बहुमूल्य सुझाव एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया। प्रतियोगिता में पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, हटबे की कुमारी अवनिता ए. ने अपने प्रोजेक्ट "मैनुअल रोप मेकिंग मशीन" के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार राजकीय प्रवर माध्यमिक विद्यालय, नील–5 की कुमारी बरसा बिस्वास को उनके प्रोजेक्ट "ऑटोमैटिक इंडेलिबल इंक एप्लायर" के लिए प्रदान किया गया। तृतीय पुरस्कार राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीता नगर, डिगलीपुर की कुमारी शालिनी को उनके नवाचारी विचार "रिमोट कंट्रोल्ड ट्यूबलाइट इंस्टॉलेशन मैकेनिज़्म" के लिए दिया गया। सांत्वना पुरस्कार राजकीय प्रवर माध्यमिक विद्यालय, मधुपुर–1 के कुमार रोहित सिकदर तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुभाषग्राम के कुमार नासरेध एक्का को प्रदान किए गए।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रतियोगिता से चयनित शीर्ष पांच नवाचारी परियोजनाओं को इन्स्पायर–मानक अवार्ड योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर के लिए नामांकित किया गया है। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान श्री राम प्रवेश, उप निदेशक शिक्षा (विज्ञान) ने उपस्थित होकर विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रतिभागिता प्रमाण–पत्र वितरित किए। संपूर्ण कार्यक्रम का समन्वय श्री चंचल सिंघा रॉय, विज्ञान पर्यवेक्षक, शिक्षा निदेशालय (विज्ञान) द्वारा किया गया।

"पुरुष एवं महिला वर्ग के लिए 3x3 ओपन बास्केटबॉल चैम्पियनशिप" स्थगित

श्री विजय पुरम, 29 दिसम्बर।

प्राप्त विज्ञप्ति में यह सूचित किया गया है कि प्रशासनिक कारणों से "पुरुष एवं महिला वर्ग के लिए 3x3 ओपन बास्केटबॉल चैम्पियनशिप", जो 30 दिसम्बर, 2025 को सायं 4 बजे नेताजी स्टेडियम के बास्केटबॉल कोर्ट में आयोजित की जानी थी, को स्थगित कर दिया गया है। प्रतियोगिता की पुनर्निर्धारित तिथि की सूचना शीघ्र ही दी जाएगी।

एमवी स्वराज द्वीप चेन्नई जाएगा

श्री विजय पुरम, 29 दिसंबर

जहाज़ एमवी स्वराज द्वीप 2 जनवरी को सुबह 10 बजे श्री विजय पुरम से चेन्नई के लिए प्रस्थान करेगा। अतिरिक्त सामान (एक्सेस बैगेज) की लोडिंग 1 जनवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक की जाएगी। अतिरिक्त सामान/कार्गो की अग्रिम बुकिंग जहाज़रानी सेवा निदेशालय के वाणिज्यिक प्रकोष्ठ में कराना अनिवार्य है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यात्रियों का जहाज़ पर चढ़ना (एम्बार्केशन) 2 जनवरी को सुबह 8 बजे से सुबह 9 बजे तक किया जाएगा। निर्धारित प्रस्थान समय से एक घंटे पूर्व यात्रियों का चढ़ना बंद कर दिया जाएगा। विलंब से रिपोर्ट करने वाले यात्रियों को जहाज़ पर चढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

द्वीप पर्यटन महोत्सव में आज

दिनांक 30.12.2025

स्थान/समय	शाम 5.30 बजे से रात 9 बजे तक हास्य कवि सम्मेलन
आईटीएफ मुख्य मंडप मरीना एस्प्लेनेड	शाम 5.30 से रात 9 बजे तक 1. गौरी शंकर क्लासिकल डांस अकादमी (20 मिनट) 2. एमजे म्यूज़िक अकादमी (20 मिनट) 3. भातखंडे संकृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के कलाकारों द्वारा कथक (20 मिनट) 4. ईज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा संबलपुरी नृत्य (15 मिनट) 5. पुलिस एंटरटेनमेंट टीम (35 मिनट) 6. ड्रीम वर्ल्ड एंटरटेनर (कराओके) (25 मिनट) 7. लक्ष्य शिक्षा संस्थान (20 मिनट) कालापानी बैंड (35 मिनट)
वंडूर	शाम 5.30 से रात 9 बजे तक 1. आदित्य नाट्य अकादमी (45 मिनट) 2. झंकार डांस ग्रुप (20 मिनट) 3. यूथ सर्विस एंड कल्चरल एक्टिविटीज़, गुजरात के कलाकारों का रास (10 मिनट) 4. बाउल मोन (20 मिनट) 5. सरस डांस अकादमी का सेमी–क्लासिकल डांस (20 मिनट) 6. नाच अकादमी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (20 मिनट) 7. स्वराज यूथ क्लब (डांस) (20 मिनट) 8. बीआरडब्ल्यू म्यूज़िक विंग (कराओके) (20 मिनट) 9. मेलोडी मिक्स (लाइव बैंड) (20 मिनट) 10. सितेश लाइव ऑर्केस्ट्रा (लाइव बैंड) (20 मिनट)
शहीद द्वीप	शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक 1. जम्मू और कश्मीर के कलाकारों का लोक नृत्य 2. सोल म्यूज़िकल एसोसिएशन (कराओके)
स्वराज द्वीप	शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक 1. ईज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा मयूरनृतम, थिरा, थेय्यम/मरक्कलट्टम, करगाम, ओयिल, थप्पट्टम 2. गीत संगीत संगीतसमूह (कराओके)
डिगलीपुर	शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक 1. ईज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा महामाया/नेताजी थीम पर क्रिएटिव डांस 2. सृष्टि कल्चरल ग्रुप (कराओके)

द्वीप पर्यटन महोत्सव में इग्नू

श्री विजय पुरम, 29 दिसम्बर।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), क्षेत्रीय केंद्र–श्री विजय पुरम ने चल रहे द्वीप पर्यटन महोत्सव–2025 में भाग लिया है तथा स्टॉल संख्या 25 (ए) पर अपना स्टॉल लगाया है। नामांकित अथवा संभावित शिक्षार्थी स्टॉल पर जाकर प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, उन्नत डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ये पाठ्यक्रम कला, विज्ञान, मानविकी, वाणिज्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान, कृषि, सतत शिक्षा, विस्तार एवं विकास अध्ययन, अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण, स्वास्थ्य विज्ञान, भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में उपलब्ध हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति में साथ ही यह भी सूचित किया गया है कि जनवरी, 2026 सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया वर्तमान में जारी है तथा प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2026 है। छात्र इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर से फेसबुक **(IGNOU Regional Centre Port Blair)** एवं इंस्टाग्राम **(ignourcportblair)** के माध्यम से भी जुड़ सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर, वीआईपी रोड, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के सामने, श्री विजय पुरम–744103, लैंडलाइन नंबर 03192–230111, 242888 तथा ईमेल **rcportblair@ignou.ac.in** पर संपर्क करें।

संस्कृतियों, खान–पान और सामाजिक

————पृष्ठ 1 का शेष

में प्रस्तुत करने का उद्देश्य रखता है, जहां देश के विभिन्न भागों से आए लोग एकता के साथ रहते हैं। इसी बीच, द्वीप पर्यटन महोत्सव–2025 के अंतर्गत द्वीपों के विभिन्न क्षेत्रों में भी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक द्वीपवासी इस उत्सव में सहभागी बन सकें। विभिन्न स्थलों पर तैनात कलाकार इन पांच दिनों के कार्निवल के दौरान स्थानीय निवासियों का मनोरंजन कर रहे हैं। द्वीप पर्यटन महोत्सव मुख्य पवेलियन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत नृत्यांगन द्वारा प्रस्तुत झुमुर (शास्त्रीय–लोक) नृत्य से हुई, इसके बाद लक्ष इंस्टीट्यूट ऑफ शिक्षा की प्रस्तुतियां और ईजेडसीसी, पश्चिम बंगाल के कलाकारों द्वारा रचनात्मक नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात ईज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत थैय्यम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सायंकालीन सत्र में एमजे म्यूजिक अकादमी, जम्मू एवं कश्मीर के कलाकारों की प्रस्तुतियां हुईं और कार्यक्रम का समापन यूनिटी ऑर्केस्ट्रा (लाइव बैंड) की जोशीली प्रस्तुति के साथ हुआ।

मरीना एस्प्लेनेड भी गतिविधियों से गुलज़ार रहा, जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत गर्ल्स स्कूल द्वारा प्रस्तुत नाटिका से हुई। इसके बाद सुर सप्तक–ए संगीत अकादमी की संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियां, युवा सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत गुजरात के कलाकारों द्वारा 'रास' तथा सरस डांस अकादमी द्वारा अर्ध–शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया गया। बालकृष्ण नृत्य अकादमी, नाच अकादमी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स, अण्डमान आइलैंड्स फिल्म सोसायटी और मेलोडी मिक्स (लाइव बैंड) ने भी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

वंडूर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में मुक्ता धारा, सुजाता डांस अकादमी, ईज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा संबलपुरी नृत्य, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के कलाकारों द्वारा कथक तथा केआरजी कलै कावेरी स्कूल की प्रस्तुतियां शामिल रहीं। छत्तीसगढ़ संस्कृति एवं भाषा निदेशालय के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत लोक एवं जनजातीय नृत्य, अनुष्ठान और लोक संगीत ने क्षेत्रीय रंग भरा, जबकि फ्रेंड्स कल्चरल ग्रुप, यूथ क्लब ओग्राब्राज, कलांगन और आइलैंड डेवलपमेंट द्वारा कराओके प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मनोरंजन किया।

उत्तरी क्षेत्रों में मायाबंदर में भी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां कार्यक्रम की शुरुआत ईज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत महामाया/नेताजी थीम पर आधारित रचनात्मक नृत्य से हुई, इसके बाद संगीत म्यूज़िकल ग्रुप (कराओके) की प्रस्तुति दी गई। वहीं डिगलीपुर में ईज़ेडसीसी के कलाकारों द्वारा मरक्कलट्टम, करगम, ओयिल, मार्शल आर्ट्स, थप्पट्टम, थीरा और थैय्यम जैसी पारंपरिक कला विधाओं की जीवंत प्रस्तुतियां हुईं, साथ ही सृष्टि कल्चरल ग्रुप (कराओके) ने भी प्रस्तुति दी।

इन विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत को उजागर करते हुए चल रहे द्वीप पर्यटन महोत्सव की भव्यता में चार चांद लगा दिए और सभी स्थलों पर दर्शकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किए।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी' सोणी, फोन–229400
E-Mail:dweepsamachar@gmail.com

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, प्रात्रापुर की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते हैं।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/आर आर(जीईएन)/2025–26/174

कार्य का नाम : समिति द्वारा, ग्राम पंचायत कलिकट के अंतर्गत कलिकट वार्ड न. 01 में अय्यानार मंदिर के पास श्री हनीफा के घर के पास मुख्य सड़क से ग्रामीण सड़क (ब्लैक टॉपिंग) का सुधार कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 22,58,177/–, धरोहर राशि : रु. 45,164/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 08/01/2026 के सायं 3.00 बजे तक। निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2025_RDPRI_21225_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना (02nd कॉल)

अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह समन्वितविकास निगम लिमिटेड, विकास भवन, पोस्ट बॉक्स नं.180, श्री विजय पुरम (अनिडको) की ओर से एपीडब्ल्यूडी या किसी अन्य सरकारी विभाग के (02nd कॉल) ठेकेदारों से ऑनलाइन मद दर ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है भले हो उनकी सूची इस शर्ते पर हो कि उन्हें सीपीडब्ल्यूडी वर्कस मैनुअल के अनुसार और इन द्वीपों में अन्य भारत सरकार संगठनों के साथ कार्य के प्रासंगिक परिमाण को क्रियान्वित करने का अनुभवहै और उनके पास कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है:

एन.आई.टी.सं.अनिडको/सीडब्लू/25–26/टीडी – 11

कार्य का नाम : मायाबंदर में प्रस्तावित आईएमएफएल दुकान में संशोधन
अनुमानित लागत : रू. 6,06,034/–
निविदा/बोली प्रसंस्करण शुल्क: लागू नहीं
बयाना राशि : रू.12,121/–
कार्य पूर्णकरने कीअवधि : 30 दिन
निविदा दस्तावेज़ प्रकाशन तिथि: 29.12.2025
निविदा दस्तावेज़ डाउनलोड/आरंभ तिथि : 30.12.2025 पूर्वाह्न 10:00 बजे
निविदा दस्तावेज़ जमा करने की आरंभ तिथि: 05.01.2026 पूर्वाह्न 10:00 बजे
निविदा दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि :12.01.2026 अपराह्न 03:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि : 13.01.2026 पूर्वाह्न 11:00 बजे

निविदा प्रपत्र और एवं अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

निविदा आईडी :2025-ANCVL-21004&2

महाप्रबंधक (सिविल कार्य)
अनिडको

EXPRESSION OF INTEREST NOTICE

The Block Development Officer, Little Andaman on behalf of the President of India invites Online EOI for the following tender inquiry:

Sl.No	Tender Enquiry No.	Brief Description	Due date
1	BDO, Little Andaman F.No. 4-56/BDO/CDB/LA/SBM-II/2024-25/469 dated 29/12/2025 **Tender ID – 2025_RDPRI_21229_1**	EOI for collection, management and transportation of Solid waste from the clusters of Little Andaman	23/01/2026 up to 6.00 PM

Complete tender documents are available in the A & N Administration e-tender portal (https://eprocure.andamannicobar.gov.in). The tender should be submitted online as per the tender document.

Block Development Officer
CD Block, Little Andaman

शपथ पत्र

मैं, एस. कलैयारसी, श्री के. स्वामीनाथन की पुत्री और श्री जगदीसन की पत्नी, जो वर्तमान में श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के अंतर्गत नयागांव में रहती हूँ, एतद्द्वारा पूर्णतया शपथपूर्वक निम्नलिखित घोषणा करती हूँ कि:

1. मेरा वास्तविक और सही नाम एस. कलैयारसी है, जैसा कि जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है।
2. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्था न द्वारा जारी माध्यमिक विद्यालय परीक्षा प्रमाण पत्रों और मार्कशीट में मेरा नाम एस. कलैयारसी के स्थान पर गलती से के. कलैयारसी दर्ज है।
3. के. कलैयारसी और एस. कलैयारसी एक ही व्यक्ति है।
4. मैं इस शपथपत्र में यह घोषणा करती हूँ कि सभी प्रयोजनों के लिए मेरा वास्तविक और सही नाम एस. कलैयारसी है।

स्थान : श्री विजय पुरम

शपथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, के. संतोष कुमार, पुत्र सिट्टन कालिदास, निवासी शादीपुर गांव के अंतर्गत श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान जिला, सत्यनिष्ठा पूर्वक शपथ लेकर निम्नलिखित कथन कहता हूँ :

1. यह कि मैं इन द्वीपों का स्थायी निवासी हूँ तथा उपर्युक्त पते पर निवास करती हूँ।
2. यह कि मेरी माता का नाम मेरे पासपोर्ट संख्या P2099483 में त्रुटिवश KALIDAS GURUAMMAL अंकित है, जबकि सही नाम K GURUVAMMAL है, जो कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजों में अंकित है।
3. यह कि मेरे पिता का नाम मेरे पासपोर्ट संख्या P2099483 में त्रुटिवश SITHAN KALIDAS अंकित है, जबकि सही नाम SITTHAN KALIDAS है, जो कि मेरे पैन कार्ड संख्या DXLPR8595K एवं अन्य दस्तावेजों में अंकित है।
4. यह कि मेरी माता का वास्तविक एवं सही नाम K GURUVAMMAL है।
5. यह कि मेरे पिता का वास्तविक एवं सही नाम SITTHAN KALIDAS है।
6. यह कि KALIDAS GURUAMMAL तथा K GURUVAMMAL एक ही एवं समान व्यक्ति है।
7. यह कि SITHAN KALIDAS तथा SITTHAN KALIDAS एक ही एवं समान व्यक्ति है।
8. यह कि मैं यह शपथ पत्र अपने पासपोर्ट में पिता एवं माता के नाम में सुधार हेतु संबंधित प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के उद्देश्य से दे रहा हूँ, जो सभी प्रयोजनों हेतु आवश्यक है, अतः यह शपथ पत्र दिया जा रहा है।

उपरोक्त सभी कथन मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम

शपथकर्त्ता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित होगा

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन अगले वर्ष फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। यह 15 फरवरी से 20 फरवरी तक चलेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में सचिव एस. कृष्णन ने आज दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में भविष्य को आकार देने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एक जिम्मेदार भूमिका पर चर्चा की जाएगी। इसमें एआई की मौजूदा कमियों को दूर करने के उपायों के साथ ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना मानवता के हित के लिए एआई के उपयोग के रास्ते भी तलाशे जाएंगे। श्री कृष्णन ने कहा कि शिखर सम्मेलन के अंतर्गत एआई और इसके प्रभाव पर एक शोध संगोष्ठी भी आयोजित की जाएगी। इसमें शोधकर्ता और विशेषज्ञ एआई के प्रभाव पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। एक सौ चालीस से अधिक देशों के एआई विशेषज्ञ इस शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

रक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलावः 2025 बना आत्मनिर्भर और आधुनिक भारत की सैन्य शक्ति का निर्णायक वर्ष

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।

रक्षा मंत्रालय के लिए वर्ष 2025 बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने देश को मजबूत, सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समावेशी बनाने के लक्ष्य की दिशा में बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने के प्रयासों को नई गति मिली। इसके परिणामस्वरूप भारत ने अब तक का सबसे अधिक रक्षा उत्पादन किया और रक्षा निर्यात भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में मंत्रालय ने सीमावर्ती इलाकों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और पूर्व सैनिकों के कल्याण पर विशेष ध्यान दिया। इन सभी क्षेत्रों में तेज़ी और प्रभावी ढंग से काम हुआ। वर्ष 2025 की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025–26 के केंद्रीय बजट में रक्षा मंत्रालय के लिए 6,81,210.27 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह बजट वित्त वर्ष 2024–25 के बजटीय अनुमान से 9.53 प्रतिशत अधिक है और कुल केंद्रीय बजट का 13.45 प्रतिशत हिस्सा बनता है, जो सभी मंत्रालयों में सर्वाधिक है।

सरकार ने वर्ष 2025–26 को 'सुधार वर्ष' के रूप में मनाने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य रक्षा खरीद प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाना है। इस पहल के माध्यम से सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण को गति मिलेगी और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर व अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। इससे रक्षा क्षेत्र में कार्यकुशलता बढ़ेगी और देश की सुरक्षा क्षमताएं और मजबूत होंगी। साथ ही रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाना और 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करना है।

रक्षा सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए सरकार ने पूंजीगत परिव्यय के तहत 1,80,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो पिछले वर्ष से 4.65 प्रतिशत अधिक है।

इसमें से 1,48,722.80 करोड़ रुपये सशस्त्र बलों के लिए नए हथियार, उपकरण और तकनीक खरीदने पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 31,277.20 करोड़ रुपये अनुसंधान, विकास और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए रखे गए हैं।

'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत आधुनिकीकरण बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू स्रोतों से खरीद के लिए तय किया गया है। इसमें से 25 प्रतिशत घरेलू निजी उद्योगों से लिया जाएगा। इससे रक्षा उत्पादन, रोजगार के अवसर और तकनीकी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

सशस्त्र बलों के वेतन, भत्तों और रखरखाव के लिए 3,11,732.30 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.24 प्रतिशत अधिक है। इसमें से 1,14,415.50 करोड़ रुपये गैर–वेतन खर्च के लिए रखे गए हैं, जिससे ईंधन, राशन, उपकरणों के रखरखाव और सेना की परिचालन तैयारियों को मजबूत किया जा सकेगा।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) का बजट बढ़ाकर 26,816.82 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो 12.41 प्रतिशत की वृद्धि है।

इसके अलावा, रक्षा क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए आईडेक्स योजना के तहत 449.62 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिससे स्टार्ट–अप और नई तकनीकों को बढ़ावा मिलेगा।

पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए ईसीएचएस योजना के तहत 8,317 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

रक्षा पेंशन के लिए 1.61 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष से 13.87 प्रतिशत अधिक है। इससे लगभग 34 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा।

भारतीय तटरक्षक बल के लिए 9,676.70 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें पूंजीगत खर्च में 43 प्रतिशत की बढ़ोतरी शामिल है।

वहीं, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को 7,146.50 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिससे सीमावर्ती इलाकों में सड़क, सुरंग और पुल निर्माण कार्य तेजी से पूरे किए जा सकेंगे।

उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में दो समर्पित रक्षा औद्योगिक गलियारे स्थापित किए गए हैं। इन गलियारों ने 8,658 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आकर्षित किया है। फरवरी 2025 तक 53,439 करोड़ रुपए अनुमानित निवेश क्षमता वाले 253 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों राज्यों में 11 ईकाईयों में फैले ये केंद्र भारत को रक्षा विनिर्माण महाशक्ति बनाने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और प्रोत्साहन प्रदान कर रहे हैं।

सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए एक आत्मनिर्भर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी रक्षा उद्योग के निर्माण हेतु कई सुधार शुरू किए हैं। इनके प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं:

सुव्यवस्थित रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) के माध्यम से खरीद प्रक्रियाओं में गति लाना, जिससे आवश्यक स्वीकृति प्राप्त होने पर रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा अधिग्रहण को शीघ्र अनुमोदन मिल सके।

सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची के माध्यम से देश में रक्षा उत्पादन को प्रोत्साहित किया गया है। साथ ही, 74% तक स्वचालित मार्ग और 100% तक सरकारी अनुमोदन मार्ग के तहत एफडीआई मानदंडों में उदारता लाई गई है। इसके अतिरिक्त, 1 लाख करोड़ रुपये की अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (आरडीआई) योजना के माध्यम से डीपीएसयू, निजी क्षेत्र, एमएसएमई और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग को सु.ढ़ किया जा रहा है, जिससे रक्षा प्रौद्योगिकी और आत्मनिर्भरता को नई गति मिल रही है।

सरलीकृत लाइसेंसिंग के साथ रक्षा निर्यात को बढ़ावा देना, जिसमें बुलेटप्रूफ जैकेट, डोर्नियर विमान, चेतक हेलीकॉप्टर, तेज गति के इंटरसेप्टर नौकाएं और हल्के वजन वाले टारपीडो जैसे प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

साल 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया गया है। इन गतिविधियों का उद्देश्य सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से उन्नत, युद्ध के लिए तैयार बल में बदलना है, जो बहु–डोमेन एकीकृत संचालन में सक्षम हो। साथ ही रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाना और 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करना है।

एंटीबायोटिक का गलत इस्तेमाल बन रहा है बड़ा खतराः आईसीएमआर

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।

एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध इस्तेमाल को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा था कि निमोनिया और यूटीआई जैसी बीमारियों में एंटीबायोटिक दवाएं अब पहले की तरह असरदार नहीं रह गई हैं।

प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी के बाद आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने लोगों से अपील की है कि बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन न करें। उन्होंने कहा कि एंटीबायोटिक का अत्यधिक और अनावश्यक इस्तेमाल गंभीर स्वास्थ्य संकट को जन्म दे रहा है।

डॉ. बहल ने बताया कि निमोनिया और अन्य संक्रमणों के इलाज में एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग किया जाता है, लेकिन वर्तमान में स्थिति यह है कि कई मामलों में ये दवाएं हानिकारक बैक्टीरिया पर असर करना बंद कर चुकी हैं। पहले यह धारणा थी कि एंटीबायोटिक हर संक्रमण का इलाज कर सकती हैं, लेकिन आज ऐसा संभव नहीं रह गया है। इसका मुख्य कारण एंटीबायोटिक का अत्यधिक और बेवजह इस्तेमाल है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जब संक्रमण हो या न हो, एंटीबायोटिक का लगातार उपयोग किया जाता है, तो हानिकारक बैक्टीरिया इन दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं। ऐसे बैक्टीरिया उसी वातावरण में पनपने लगते हैं और जब बाद में बुखार या गंभीर संक्रमण होता है, तो सामान्य एंटीबायोटिक असर नहीं करतीं और दवाओं की डोज बढ़ानी पड़ती है।

आईसीएमआर प्रमुख ने कहा कि एंटीबायोटिक का इस्तेमाल केवल तब किया जाना चाहिए, जब बुखार कई दिनों तक न उतरे या स्पष्ट रूप से बैक्टीरियल इंफेक्शन के लक्षण दिखाई दें और वह भी केवल डॉक्टर की सलाह पर। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि अपनी मर्जी से एंटीबायोटिक दवाएं न लें।

डॉ. बहल ने यह भी चेतावनी दी कि एंटीबायोटिक के अधिक इस्तेमाल से पेट में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया पर भी असर पड़ता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। उन्होंने कहा कि एंटीबायोटिक को पेरासिटामोल की तरह इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' में भी कहा था कि लोग सिर्फ तत्काल राहत पाने के लिए बिना सलाह के कोई भी दवा खा लेते हैं। यही कारण है कि कई बीमारियां और संक्रमण एंटीबायोटिक दवाओं पर भारी पड़ने लगे हैं।

नौकायन पोत 'कौंडिन्य' पहली यात्रा पर पोरबंदर से ओमान के लिए रवाना

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।

भारत की प्राचीन जहाज निर्माण और समुद्री परंपराओं को पुनः साकार करते हुए भारतीय नौसेना का प्राचीन पाल विधि से निर्मित पोत 'कौंडिन्य' सोमवार को अपनी पहली समुद्री यात्रा पर गुजरात के पोरबंदर से रवाना हुआ। यह पोत ओमान के मस्कट तक की यात्रा करते हुए प्रतीकात्मक रूप से उन ऐतिहासिक समुद्री मार्गों का पुनर्मूल्यांकन करेगा, जिन्होंने सहस्राब्दियों से भारत को व्यापक हिंद महासागर से जोड़ा है।

इसे प्राचीन भारतीय पोतों के चित्रण से प्रेरणा लेते हुए पूरी तरह से पारंपरिक सिलाई–तख्ता तकनीक का उपयोग करके निर्मित किया गया है। आईएनएसवी कौंडिन्य इतिहास, शिल्प कौशल और आधुनिक नौसैनिक विशेषज्ञता का एक दुर्लभ संगम है। समकालीन पोतों के विपरीत इसके लकड़ी के तख्तों को नारियल के रेशे की रस्सी से सिला गया है और प्राकृतिक राल से सील किया गया है। यह भारत के तटों और हिंद महासागर में प्राचीन समय में प्रचलित पोत निर्माण की परंपरा को दर्शाता है। इस तकनीक ने भारतीय नाविकों को आधुनिक नौवहन और धातु विज्ञान के आगमन से बहुत पहले पश्चिम एशिया, अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया तक लंबी दूरी की यात्राएं करने में सक्षम बनाया था।

इस परियोजना का शुभारंभ संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और होडी इनोवेशन्स के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन के माध्यम से किया गया था। यह भारत की स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को पुनः खोजने और उन्हें पुनः निर्मित करने के प्रयासों का एक हिस्सा है। मास्टर शिपराइट बाबू शंकरन के मार्गदर्शन में निर्मित यह पोत पूरी तरह से समुद्र में यात्रा करने योग्य और महासागर में नौकायन में सक्षम है। इस पोत का नाम पौराणिक नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने प्राचीन काल में भारत से दक्षिण पूर्व एशिया तक की यात्रा की थी। यह पोत एक समुद्री राष्ट्र के रूप में भारत की ऐतिहासिक भूमिका का भी प्रतीक है।

इतिहास के पन्नों में 30 दिसंबर : 1986 में ब्रिटेन की कोयला खदानों से कनारी चिड़िया की विदाई

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।

ब्रिटेन की सरकार ने 30 दिसंबर 1986 को ऐतिहासिक फैसला लेते हुए कोयला खदानों से 200 से अधिक कनारी चिड़ियों को हटाने का ऐलान किया। दशकों तक इन पीले पंखों वाली चिड़ियों का इस्तेमाल खदानों में जहरीली गैसों का पता लगाने के लिए किया जाता रहा था। कोयला खदानों में आग लगने या विस्फोट की स्थिति में कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी बिना रंग और गंध वाली गैसें फैल जाती थीं, जिन्हें इंसान महसूस नहीं कर पाता था। ऐसे में कनारी चिड़िया के व्यवहार में आने वाला बदलाव खतरे का संकेत माना जाता था।

इस घोषणा से पहले ब्रिटेन की लगभग हर कोयला खदान में दो कनारी चिड़ियां तैनात रहती थीं। हालांकि तकनीक के विकास के साथ सरकार ने इन्हें हटाकर बिजली से चलने वाले गैस डिटेक्टर लगाने का निर्णय लिया। इन आधुनिक उपकरणों को अधिक सटीक, सुरक्षित और किफायती माना गया, जिससे खनिकों की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1687– एक चार्टर जारी किया जिसमें जन प्रतिनिधि शासन की स्थापना, सुचारू न्यायिक पद्धति का विकास और करारोपण अधिकारों का उल्लेख किया गया। इस चार्टर के अन्तर्गत मद्रास का पहला नगर निगम स्थापित किया गया था।

1703– जापान की राजधानी टोक्यो में भूकंप से 37 हजार लोगों की मौत।

1803 – ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कंपनी ने दिल्ली, आगरा तथा भरूच पर नियंत्रण किया।

1803 – भारत में दूसरे मराठा युद्ध के पहले चरण में मराठा प्रमुख दौलत राव सिंधिया और ब्रिटिश सरकार के बीच सुरजी अर्जुनगांव की संधि पर हस्ताक्षर किए गए।

1873 – अमेरिका के न्यूयार्क में माप तौल के लिए मेट्रोलॉजिकल सोसायटी का गठन।

1906 – अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना ढाका (अब बांग्लादेश) में हुई।

1935 – इटली के लड़ाकू विमानों के हमले में अफ्रीकी देश इथोपिया स्थित स्वीडन की रेडक्रॉस इकाई ध्वस्त।

1943 – स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में भारत की आजादी का झंडा लहराया।

1949 – भारत ने चीन को मान्यता दी।

1975 – अफ्रीकी देश मेडागास्कर में संविधान प्रभावी हुआ।

1979 – पश्चिमी अफ्रीकी देश टोगो ने संविधान अंगीकार किया।

1996 – ग्वाटेमाला में गत 36 वर्षों से चला आ रहा गृहयुद्ध समाप्त।

2000 – जनरल उमर–इल बशील दोबारा सूडान के राष्ट्रपति चुने गये, कोलंबिया विश्व का सबसे हिंसक एवं ख़तरनाक देश घोषित।

2006 – इराक के पूर्व कथित तानाशाह सद्दाम हुसैन को फांसी दी गई।

एनआईए एंटी–टेरर कॉन्फ्रेंस में सख्त संदेश, राज्यों को एक समान एंटी–टेरर स्क्वॉड लागू करने का निर्देश

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।
एनआईए यानी राष्ट्रीय जांच एजेंसी की 5वीं एंटी–टेरर कॉन्फ्रेंस संपन्न हो गई। सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद पर 'जीरो टॉलरेंस' के संकल्प को दोहराया गया। केंद्र सरकार ने साफ कहा कि देश में किसी भी रूप में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

NIA सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने सभी राज्यों को एक समान और मजबूत एंटी–टेरर स्क्वॉड (एटीएस) ढांचा जल्द लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिना मजबूत और एकरूप व्यवस्था के खुफिया जानकारी का सही उपयोग और प्रभावी कार्रवाई संभव नहीं है।

गृह मंत्री ने पहलगाम और दिल्ली के लाल किले में हुए आतंकी हमलों के मामलों में एजेंसियों और राज्य पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने बताया कि पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड और हमलावरों को 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' के तहत समाप्त किया गया। इसे उन्होंने आतंक के खिलाफ भारत की कड़ी और निर्णायक कार्रवाई बताया।

सम्मेलन में बदलते आतंकी खतरों और तकनीक पर भी चर्चा हुई। साइबर वॉर, हाइब्रिड वॉर, डिजिटल फॉरेंसिक, डेटा एनालिसिस और खुफिया सूचनाओं के बेहतर आदान–प्रदान पर जोर दिया गया। राज्यों को पुलिस और सुरक्षा बलों के नियमित प्रशिक्षण की सलाह दी गई।

इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही देश की

सुरक्षा में शहीद हुए 36 हजार से अधिक सीएपीएफ और पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई।

सम्मेलन के समापन सत्र में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने कहा कि यह सम्मेलन आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है। उन्होंने कट्टरपंथ, युवाओं की भर्ती और साइबर आधारित आतंकवाद पर सतर्क रहने की जरूरत बताई।

सम्मेलन में पहली बार 'ट्रैक–2' की शुरुआत की गई, जिसमें डिजिटल डिवाइस डेटा, बिग डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल पहचान उजागर करने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। एनआईए को 90 प्रतिशत से अधिक सजा दर की भी सराहना की गई। दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर से 150 से अधिक अधिकारी शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय और बंदी संजय कुमार भी उपस्थित रहे।

केंद्र की 79 हजार करोड़ के रक्षा प्रस्तावों को मंजूरी, सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।
केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं की जरूरतों को देखते हुए हथियार और गोला–बारूद खरीदने के लिए 79 हजार करोड़ रुपये को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लिए गए इन फैसलों से सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। जरूरी मंजूरियों में टी–90 मुख्य युद्धक टैंक की मरम्मत करने और एमआई–17 हेलीकॉप्टर के मिड–लाइफ अपग्रेड के प्रस्ताव शामिल हैं, जिनका मकसद ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ाने के लिए युद्ध संपत्तियों की सर्विस लाइफ बढ़ाना है।

बैठक में आर्टिलरी रेजिमेंट के लिए लॉइटर म्यूनिशन सिस्टम, लो लेवल लाइट वेट रडार, पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट एम्युनिशन और भारतीय सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके–II की खरीद को मंजूरी दी गई। लॉइटर म्यूनिशन का इस्तेमाल टैक्टिकल टारगेट पर सटीक हमला करने के लिए किया जाएगा, जबकि लो लेवल लाइट वेट रडार छोटे साइज के, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले अनमैन्ड एरियल सिस्टम का पता लगाकर उन्हें ट्रैक करेंगे। लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट, हाई वैल्यू टारगेट पर असरदार तरीके से हमला करने के लिए पिनाका रॉकेट सिस्टम की रेंज को बढ़ाएंगे। इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके–II की रेंज ज्यादा है, जो सेना की जरूरी संपत्तियों की सुरक्षा करेगा।

नौसेना के लिए बोलार्ड पुल टग्स, हाई फ्रीक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफ़ाइंड रेडियो मैनपैक खरीदने और हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग रेंज रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम को लीज पर लेने के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) दी गई। बोलार्ड पुल टग्स के शामिल होने से नौसेना के जहाजों और पनडुब्बियों बंदरगाह में पैंतरेबाज़ी में मदद मिलेगी। यह प्रणाली बोर्डिंग और लैंडिंग ऑपरेशन के दौरान लंबी दूरी के सुरक्षित संचार सुविधा को बढ़ाएगी, जबकि हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग रेंज रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम हिंद महासागर क्षेत्र में लगातार खुफिया, निगरानी, टोही और भरोसेमंद समुद्री डोमेन जागरूकता पक्का करेगा।

बैठक में वायु सेना के लिए ऑटोमैटिक टेक–ऑफ लैंडिंग रिकॉर्डिंग सिस्टम, एस्ट्रा एमके–II मिसाइल, फुल मिशन सिम्युलेटर और स्पाइस–1000 लॉन्ग रेंज गाइडेंस किट वगैरह खरीदने की मंजूरी दी गई। ऑटोमैटिक टेक–ऑफ लैंडिंग रिकॉर्डिंग सिस्टम के आने से एयरोस्पेस सेटी के माहौल में कमी पूरी होगी, क्योंकि इससे लैंडिंग और टेक–ऑफ की हाई डेफिनिशन ऑल–वेदर ऑटोमैटिक रिकॉर्डिंग मिलेगी। ज्यादा रेंज वाली एस्ट्रा एमके–II मिसाइलें लड़ाकू विमानों की मारक क्षमता बढ़ाकर दुश्मन के विमानों को बेअसर करने की क्षमता बढ़ाएंगी। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस के लिए फुल मिशन सिम्युलेटर पायलटों की ट्रेनिंग को किफायती और सुरक्षित तरीके से बढ़ाएगा, जबकि स्पाइस–1000 भारतीय वायु सेना की लंबी दूरी की सटीक स्ट्राइक क्षमता को बढ़ाएगा।

खेल मंत्रालय की बड़ी पहल : युवाओं के लिए 20 हजार स्टाइपेंड वाली 452 पेड इंटर्नशिप

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।
भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय ने युवाओं के लिए एक नई और व्यापक इंटर्नशिप योजना की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य खेल क्षेत्र में प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। इस योजना के तहत हर साल कुल 452 पेड इंटर्नशिप उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें चयनित छात्रों को 20,000 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड मिलेगा। केंद्र सरकार ने इसके लिए लगभग 5.30 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट निर्धारित किया है।

यह योजना विशेष रूप से कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों के लिए तैयार की गई है। इसके माध्यम से छात्र खेल प्रशासन, खेल विज्ञान, नीति निर्माण, स्पोर्ट्स साइंस, इवेंट मैनेजमेंट, मीडिया और कम्युनिकेशन, आईटी और डेटा एनालिसिस, कानूनी कार्य और एंटी डोपिंग निगरानी जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव हासिल कर सकेंगे।

इंटर्नशिप खेल मंत्रालय और उसके प्रमुख स्वायत्त संस्थानों में उपलब्ध होगी, जिनमें भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला शामिल हैं। चयनित इंटर्न्स को अनुभवी अधिकारियों के साथ काम करने, प्रशिक्षण प्राप्त करने और नीति निर्माण की प्रक्रिया को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा।

इंटर्न्स को प्रमुख खेल योजनाओं में भी काम करने का अवसर मिलेगा, जैसे खेलो इंडिया, टारगेट ओलंपिक पोडियम

स्कीम और टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप। इसके अलावा उन्हें SAI स्टेडियम, क्षेत्रीय केंद्रों और राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में फील्ड अनुभव भी मिलेगा।

चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित होगी। इसमें आवेदन की जांच शैक्षणिक योग्यता, स्टेटमेंट ऑफ पर्पस और आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर की जाएगी। 10वीं, 12वीं और ग्रेजुएशन के अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी, और अंतिम चयन संबंधित संस्थान द्वारा किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया साल में दो बार, जनवरी और जुलाई में आयोजित की जाएगी।

इस योजना से न केवल युवाओं को रोजगार योग्य बनाने का अवसर मिलेगा, बल्कि भारत के खेल क्षेत्र को पेशेवर, पारदर्शी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में भी अहम योगदान मिलेगा।

आयुष दवाओं की गुणवत्ता पर बड़ा कदम, 108 प्रयोगशालाओं को मिली जांच की मंजूरी

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।
आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने बताया है कि देशभर में आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी दवाओं की गुणवत्ता जांच के लिए 108 प्रयोगशालाओं को मंजूरी दी गई है। ये सभी लैब्स ड्रग्स रूल्स, 1945 के प्रावधानों के तहत स्वीकृत या लाइसेंस प्राप्त हैं।

मंत्री ने जानकारी दी कि 34 राज्य स्तरीय ड्रग टेस्टिंग लैब्स को उनके इंफ्रास्ट्रक्चर और कार्यक्षमता को मजबूत करने के लिए सहयोग दिया गया है। इसके साथ ही सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज के तीन क्षेत्रीय शोध संस्थानों को भी ड्रग्स रूल्स, 1945 के तहत मंजूरी मिली है।

उन्होंने बताया कि आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं की निगरानी के लिए फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम लागू किया गया है, जो केंद्रीय क्षेत्र की योजना आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना (AOGUSY) के तहत संचालित होता है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय, मध्यवर्ती और परिधीय स्तर के केंद्रों के तीन–स्तरीय नेटवर्क के जरिए पूरे देश में काम करता है। इन केंद्रों की जिम्मेदारी है कि वे भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी करें और संबंधित राज्य नियामक प्राधिकरणों को कार्रवाई के लिए रिपोर्ट करें।

मंत्री ने बताया कि अब तक देशभर में 3,533 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनसे 3,18,575 लोग लाभान्वित हुए हैं। इस योजना का उद्देश्य आयुष

दवाओं की गुणवत्ता पर नजर रखना, भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाना, उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और बिना प्रमाण वाले दावों के प्रसार को रोकना है।

इसके अलावा आयुष मंत्रालय आयुष उत्पादों के लिए विभिन्न प्रमाणन योजनाओं को भी बढ़ावा दे रहा है, जिनमें डब्ल्यूएचओ के दिशा–निर्देशों के अनुसार फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट सर्टिफिकेशन और क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा दी जाने वाली गुणवत्ता प्रमाणन योजनाएं शामिल हैं।

AOGUSY योजना को 2021–22 से 2025–26 तक पांच वर्षों के लिए कुल 122 करोड़ रुपये के बजट के साथ लागू किया गया है। इस योजना का एक प्रमुख उद्देश्य आयुष फार्मेसी और ड्रग टेस्टिंग लैब्स को अपग्रेड कर उच्च गुणवत्ता मानकों तक पहुंचाना है।

सोशल मीडिया इस्तेमाल पर सेना की सख्ती, जवानों के लिए नई गाइडलाइन जारी

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।
भारतीय सेना ने अपने जवानों के लिए सोशल मीडिया एप्स के इस्तेमाल को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति और कंटेंट साझा करने पर कड़ी पाबंदियां लगाई गई हैं। सेना का कहना है कि यह कदम जवानों की सुरक्षा और सैन्य सूचनाओं की गोपनीयता बनाए रखने के लिए उठाया गया है। नई गाइडलाइन के अनुसार इंस्टाग्राम जैसे एप्स का उपयोग जवान केवल जानकारी देखने और निगरानी के उद्देश्य से कर सकेंगे। वे न तो किसी पोस्ट पर टिप्पणी कर पाएंगे और न ही अपनी राय साझा कर सकेंगे। किसी भी तरह का फोटो, वीडियो या अन्य कंटेंट अपलोड करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

वहीं स्काइप, व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसे मैसेजिंग एप्स पर सामान्य और गैर–संवेदनशील जानकारी साझा करने की अनुमति दी गई है। यह जानकारी भी केवल पहचान वाले और भरोसेमंद लोगों के साथ ही साझा की जा सकेगी। किसी को सही पहचान कर सूचना भेजने की पूरी जिम्मेदारी उपयोगकर्ता की होगी। यूट्यूब, एक्स, क्वोरा और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर जवान केवल जानकारी हासिल करने या सीखने के लिए लॉगिन कर सकेंगे। इन प्लेटफॉर्म पर खुद का कोई भी कंटेंट डालने की अनुमति नहीं होगी।

इसके अलावा लिंक्डइन का इस्तेमाल केवल रिज्यूमे अपलोड करने और नौकरी या कर्मचारी संबंधी जानकारी प्राप्त करने तक सीमित रहेगा। सेना अधिकारियों के अनुसार सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग और सुरक्षा खतरों को देखते हुए यह नीति लागू की गई है। सेना का मानना है कि नई गाइडलाइन से संवेदनशील जानकारियों के लीक होने पर रोक लगेगी और जवानों की व्यक्तिगत व पेशेवर सुरक्षा मजबूत होगी। जवानों को निर्देश दिया गया है कि वे इन नियमों का सख्ती से पालन करें।

2026 में चार ग्रहण, भारत में दिखेगा सिर्फ एक

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।
साल 2026 अपने साथ कई खगोलीय घटनाएं लेकर आएगा। इस साल कुल 4 ग्रहण होंगे। 2 सूर्य ग्रहण और 2 चंद्र ग्रहण। हालांकि, सभी ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देंगे।

सूर्य ग्रहणः– 17 फरवरी 2026: यह सूर्य ग्रहण अमावस्या के दिन लगेगा, लेकिन भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए इस दिन सूतक काल नहीं माना जाएगा।

12 अगस्त 2026: यह पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा, लेकिन यह भी भारत में दिखाई नहीं देगा। यह स्पेन, रूस और पुर्तगाल के कई हिस्सों में देखा जा सकेगा।

चंद्र ग्रहणः– 3 मार्च 2026: यह खंडग्रास चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई देगा। इस दिन सूतक काल सुबह 09:39 बजे से शुरू होकर शाम 06:46 बजे तक रहेगा। ग्रहण चंद्रोदय के समय शाम 06:26 बजे शुरू होकर शाम 06:46 बजे समाप्त होगा।

28 अगस्त 2026: यह चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसे उत्तर और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में देखा जा सकेगा।

भारतीय परंपरा में ग्रहण का विशेष महत्व है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि ग्रहण के समय नकारात्मक ऊर्जा बढ़ जाती है, इसलिए इस दौरान भोजन बनाने और पूजा–पाठ से बचा जाता है। ग्रहण समाप्त होने के बाद स्नान और घर की शुद्धि की जाती है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ग्रहण एक सामान्य खगोलीय घटना है। जब सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी एक सीध में आ जाते हैं, तब ग्रहण लगता है। इसमें डरने की कोई बात नहीं है, बल्कि यह एक रोचक दृश्य होता है।

अंतरिक्ष में पहली बार पहुंची व्हीलचेयर यूजर, ब्लू ओरिजिन की ऐतिहासिक उपलब्धि

वॉशिंगटन, 29 दिसम्बर।
अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की अंतरिक्ष कंपनी ब्लू ओरिजिन ने इतिहास रच दिया है। जर्मनी की इंजीनियर माइकेला बेंटहाउस अंतरिक्ष में जाने वाली दुनिया की पहली व्हीलचेयर यूजर बन गई। शनिवार, 20 दिसंबर को वे एयरोस्पेस कंपनी, ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड मिशन के जरिए सबऑर्बिटल फ्लाइट पर रवाना हुईं और कार्मन लाइन (करीब 100 किमी ऊंचाई) पार करते हुए अंतरिक्ष तक पहुंचीं।

यह उड़ान 20 दिसंबर 2025 को टेक्सास के वेस्ट टेक्सास लॉन्च साइट से हुई। एनएस–37 मिशन में छह यात्री सवार थे। लगभग 10 मिनट की इस सबऑर्बिटल उड़ान में यात्रियों को कुछ मिनटों के लिए भारहीनता (वेटलेसनेस) का अनुभव हुआ और पृथ्वी का अद्भुत नजारा दिखा।

33 वर्षीय माइकेला बेंटहाउस यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी में एयरोस्पेस और मेकाट्रॉनिक्स इंजीनियर हैं। 2018 में माउंटेन बाइकिंग दुर्घटना में उनकी रीढ़ की हड्डी क्षतिग्रस्त हो गई, जिसके बाद वे पैराप्लेजिक हो गईं. व्हीलचेयर का इस्तेमाल करने लगीं. हालांकि, दुर्घटना के बाद भी उनका अंतरिक्ष जाने का सपना जीवित रहा. उन्होंने लिंक्डइन पर पूर्व स्पेसएक्स इंजीनियर हांस कोएनिग्समैन से संपर्क किया. हांस ने उनकी मदद की. ब्लू ओरिजिन के साथ इस उड़ान को स्पॉन्सर किया. लैंडिंग के बाद माइकेला ने कहा कि मैं बहुत आभारी हूं कि ब्लू ओरिजिन और हांस ने इस यात्रा के लिए हां कहा. यह सबसे शानदार अनुभव था.

ब्लू ओरिजिन का न्यू शेपर्ड कैप्सूल पहले से ही दिव्यांगों के लिए डिजाइन किया गया है. लॉन्च टावर में लिफ्ट है. कैप्सूल में ज्यादा बदलाव की जरूरत नहीं पड़ी. माइकेला के लिए विशेष ट्रांसफर बोर्ड जोड़ा गया, जिससे वे खुद व्हीलचेयर से कैप्सूल में जा सकीं. भारहीनता के दौरान अपनी टांगों को सुरक्षित रखने के लिए उन्होंने विशेष स्ट्रैप का इस्तेमाल किया. लैंडिंग के बाद रिकवरी टीम ने जमीन पर कार्पेट बिछाया, ताकि उनकी व्हीलचेयर तुरंत उपलब्ध हो सके.

यह उड़ान अंतरिक्ष यात्रा को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में बड़ा कदम है. माइकेला ने कहा कि वे दुनिया को दिखाना चाहती हैं कि व्हीलचेयर उपयोगकर्ता भी सबऑर्बिटल उड़ान भर सकते हैं. इससे पहले ब्लू ओरिजिन ने सीमित गतिशीलता वाले लोगों को अंतरिक्ष भेजा है, लेकिन व्हीलचेयर यूजर पहली बार गए.

'हैप्पी न्यू ईयर' के संदेश में छिपा हो सकता है 'कंगाली' का कोड; साइबर ठगों ने बिछाया डिजिटल जाल

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर।
साल 2025 अपने अंतिम पड़ाव पर है और कुछ ही दिनों में 2026 का आगाज होने वाला है। जहां पूरी दुनिया नए संकल्पों और जश्न की तैयारी में डूबी है, वहीं साइबर अपराधी आपकी इसी खुशी को 'चिंता' में बदलने के लिए घात लगाए बैठे हैं। 31 दिसंबर की रात जैसे ही घड़ी की सुइयां 12 पर पहुंचती हैं, शुभकामनाओं की बाढ़ आ जाती है। लेकिन विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस बार 'स्पेशल न्यू ईयर गिफ्ट' या 'लकी ड्रॉ' के नाम पर आने वाले लिंक आपकी मेहनत की कमाई को एक पल में साफ कर सकते हैं।

साइबर ठग जानते हैं कि त्योहारों के मौके पर लोग भावुक और उत्साहित होते हैं। इसी का फायदा उठाकर वे WhatsApp, Facebook और ईमेल के जरिए लुभावने मैसेज भेजते हैं।

अक्सर ग्रीटिंग कार्ड या वीडियो के नाम पर एक फाइल भेजी जाती है। जैसे ही आप इसे खोलते हैं, आपके फोन में एक जासूसी सॉफ्टवेयर इंस्टॉल हो जाता है, जो आपकी स्क्रीन, मैसेज और यहाँ तक कि बैंक से आने वाले OTP को भी ठगों तक पहुंचा देता है।

साइबर एक्सपर्ट्स के अनुसार, आजकल ठग पहले सोशल मीडिया पर दोस्त बनकर भरोसा जीतते हैं और फिर 'न्यू ईयर सरप्राइज' के नाम पर खतरनाक लिंक भेजकर धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ त्रिवेणी सिंह के अनुसार, जश्न के माहौल में लोग सावधानी भूल जाते हैं, जिससे पूरा फोन हैकर्स के नियंत्रण में चला जाता है। सुरक्षित रहने के लिए ये कदम उठाएं:

किसी भी अनजान नंबर से आए 'फ्री गिफ्ट' या 'इनाम' वाले लिंक पर क्लिक न करें।

अगर किसी फाइल के नाम के अंत में .apk लिखा है, तो उसे तुरंत डिलीट कर दें।

याद रखें, कोई भी बैंक व्हाट्सएप या एसएमएस लिंक के जरिए कभी भी KYC अपडेट नहीं मांगता।

अपने सोशल मीडिया और बैंकिंग ऐप्स पर 'टू–फैक्टर ऑथेंटिकेशन' जरूर ऑन रखें।

कोई भी आकर्षक ऑफर दिखने पर 'Tap' करने से पहले रुकें और सोचें कि क्या यह वास्तविक है?

नया साल खुशहाल हो, कंगाल नहीं!

नया साल नई उम्मीदों और सपनों का प्रतीक है। आपकी एक छोटी सी सावधानी आपको और आपके परिवार को बड़े वित्तीय नुकसान से बचा सकती है। याद रखें, असली दोस्त या रिश्तेदार कभी आपको संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने के लिए मजबूर नहीं करेंगे। इस बार जब फोन की घंटी बजे या नोटिफिकेशन आए, तो उंगली चलाने से पहले दिमाग चलाएं। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें!